CLASS : 10th (Secondary) **4251/4201**

Series : Sec. M/2019

Total No. of Printed Pages : **24** **SET : A, B, C & D**

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HINDI

(Academic/Open)

(Only for Fresh/Re-appear Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

(v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will*

ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.

(vi) *A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.*

(vii) *If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.*

(viii) *If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.*

(ix) *Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.*

(x) *Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.*

(xi) *Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.*

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) *अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।*

(ii) *शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।*

(iii) *परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।*

(iv) *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

(v) *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

(vi) *मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।*

सामान्य निर्देश :-

(i) *अंक-योजना में दिए गए मूल्य-बिन्दु एवं उत्तर-संकेत अंतिम नहीं हैं। ये मात्र सुझावात्मक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु सही उत्तर दिए हैं। तो भी उसे उचित अंक दिए जाएँ। पूर्णरूप से सही उत्तर की स्थिति में पूर्णांक देने में संकोच न करें।*

(ii) *वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।*

(iii) *भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।*

SET – A

अपेक्षित मूल्य बिन्दु एवं उत्तर-संकेत

खण्ड - क

1. (क) काला, पुस्तक 1 + 1 = 2

(ख) औना, आप 1 + 1 = 2

(ग) जितना शीघ्र हो (अव्ययीभाव), कार्य में कुशल (अधिकरण तत्पुरुष) 1 + 1 = 2

(घ) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ङ) सुषुप्ति, अपकार 1 + 1 = 2

(च) स्वयं स्पष्ट है। 2

(छ) स्वयं स्पष्ट है। 1 + 1 = 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) ***दोहा :*** यह मात्रिक अर्द्धसम छंद है। इसके विषम (प्रथम तथा तीसरे) चरणों में **13–13** मात्राएँ तथा सम (दूसरे व चौथे) चरणों में **11-11** मात्राएँ होती हैं। 2

3. *निबंध-लेखन :*

(i) कलात्मक प्रस्तावना 1

(ii) विषय-वस्तु की प्रस्तुति 2

(iii) भाषा-शैली की विशिष्टता 2

(iv) प्रभावशाली समापन 1

4. *पत्र-लेखन :*

(i) प्रारम्भ और अंत की औपचारिकताएँ $1\frac{1}{2}$

(ii) विषय की प्रस्तुति 3

(iii) शुद्ध भाषा-प्रयोग $1\frac{1}{2}$

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही उत्तर के लिए ***एक*** अंक : $1 \times 5 = 5$

(क) नागार्जुन

(ख) क्रोधी

(ग) कंथा, गुदड़ी, अन्तर्मन

(घ) धुँधले प्रकाश की; कुछ तर्कों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की।

(ङ) टेक

6. प्रत्येक सही विकल्प का ***एक*** अंक है : $1 \times 3 = 3$

(क) (i) विद्युत

(ख) (ii) लम्बे केश

(ग) (i) कड़वी ककड़ी

7. (i) पद, सूरदास

(ii) स्वयं स्पष्ट है।

(iii) जल में रहकर भी जल के प्रभाव से मुक्त रहना।

(iv) श्री कृष्ण के प्रति प्रेम रूपी नदी।

(v) उद्धव की दृष्टि श्रीकृष्ण के रूप में आकृष्ट नहीं हुई।

$1 \times 5 = 5$

8. स्वयं स्पष्ट है। $2 + 2 = 4$

9. 'आत्मकथ्य' कविता में जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति है। कवि ने अपने जीवन की व्यथा को सामान्य व्यक्ति की कथा बताया है। यथार्थ की स्वीकृति एवं महान कवि की विनम्रता है। 3

अथवा

कवि के मन में प्रसन्नता एवं स्नेह। छविमान मुसकान से जीवन धन्य होना। 3

खण्ड - ग

10. (क) यतीन्द्र मिश्र

(ख) मास्टर मोतीलाल

(ग) पतोहू (पुत्र वधू) ने

(घ) अपने अभिन्न मित्र डॉ० रघुवंश को

(ङ) अनपढ़ $1 \times 5 = 5$

11. (क) (iv) प्राकृत $1 \times 3 = 3$

(ख) (iii) सोन

(ग) (i) संस्कृति का

12. (i) संस्कृति (भदंत आनंद कौशल्यायन) $1 \times 4 = 4$

(ii) जो नई खोज करता है।

(iii) नये सिद्धान्त (गुरुत्वाकृष्ण) की खोज के कारण।

(iv) सभ्य है, संस्कृत नहीं।

13. किसी ***एक*** साहित्यकार का परिचय अपेक्षित है : 6

यशपाल : सन् 1903 में फिरोजपुर छावनी (पंजाब) में जन्म। प्रारम्भिक शिक्षा काँगड़ा उच्चतर लाहौर से। भगत सिंह एवं सुखदेव से परिचय। स्वाधीनता संग्राम से जुड़े। सन् 1976 में निधन।

कहानी संग्रह : ज्ञानदान। तर्क का तूफान। पिंजरे की उड़ान।

उपन्यास : झूठा सच। अमिता। पार्टी कामरेड। दादा कामरेड़।

साहित्यिक विशेषताएँ : सामाजिक विषमता, राजनीतिक पाखंड एवं रूढ़ियों के विरुद्ध। देश-विभाजन की त्रासदी का चित्रण। सजीव एवं स्वाभाविक भाषा। यथार्थवादी शैली।

अथवा

मन्नू भण्डारी : सन् 1931 में गाँव भानपुरा (जिला मंदसौर म० प्र०) में जन्म। इंटर तक की शिक्षा अजमेर में। एम० ए० हिन्दी। दिल्ली के कॉलेज में अध्यापन कार्य। तत्पश्चात् स्वतंत्र लेखन। अनेक सम्मान।

रचनाएँ : 'एक प्लेट सैलाब,' मैं हार गई; 'यही सच है',

'त्रिशंकु' (कहानी संग्रह)।

'आपका बंटी', महाभोज (उपन्यास)। 6

पात्रानुकूल एवं प्रसंगानुकूल भाषा। सरल, सहज, सरस भाषा। स्त्री-मन से जुड़ी अनुभूतियों की अभिव्यक्ति।

14. विरोधी लोगों के कुतर्कों का जोरदार खण्डन। सिद्ध करने का प्रयास किया कि प्राचीन काल में स्त्री-शिक्षा की व्यवस्था थी। अनेक नाम गिनवाए। विरोध उचित नहीं। 2

खण्ड - घ

15. (क) रानी एलिज़ाबेथ द्वितीय ने हिन्दुस्तान से रेशमी कपड़ा मंगवाकर नीले रंग का सूट बनवाया। इस सूट पर चार सौ पौण्ड खर्चा आया। 2

(ख) तिस्ता नदी के किनारे लकड़ी के बने छोटे से गेस्ट हाउस में जितेन ने गाना गाया। सभी सैलानी गोल घेरा बनाकर पचास वर्षीय मणि के साथ जमकर नाचे। काली मनमोहक रात्रि मानो परियों के नृत्य की कहानी बन गई थी। 2

(ग) भोलानाथ और उसके साथी चबूतरे को खेत मानकर बाल खेल करते। दो बच्चे बैल बनते। चबूतरे के छोर पर घिरनी लगती। नीचे की गली कुओं का काम करती और सिंचाई सम्पन्न होती। जुताई, बुवाई और कटाई का नाटक होता था। 2

(घ) लेखक ने यहाँ तथाकथित समाज की मुख्यधारा से बहिष्कृत एवं उपेक्षित समझे जाने वाले वर्ग के अन्तर्मन में व्याप्त जन्मभूमि के प्रति असीम प्रेम, विदेशी शासन के प्रति क्षोभ और पराधीनता के जुएं को उतार कर फेंकने के उत्कट लालसा और आजादी की लड़ाई में उनके योगदान को रेखांकित किया है। 2

(ङ) प्रत्यक्ष अनुभव जब अनुभूति का रूप धारण करता है तभी रचना पैदा होती है। अनुभव के बिना अनुभूति नहीं होती, परंतु जरूरी नहीं कि हर अनुभव अनुभूति बने। अनुभव जब भाव-जगत एवं संवेदना का हिस्सा बनता है तभी वह कलात्मक अनुभूति में रूपांतरित होता है। 2

SET – B

खण्ड - क

1. (क) पीना, अंत 1 + 1 = 2

(ख) आऊ, औना 1 + 1 = 2

(ग) प्रधान है जो अध्यापक (कर्मधारय), आठ अध्यायों का समाहार (द्विगु) 1 + 1 = 2

(घ) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ङ) बाह्य, विनम्र। 1 + 1 = 2

(च) स्वयं स्पष्ट है। 2

(छ) स्वयं स्पष्ट है। 1 + 1 = 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) ***चौपाई :*** यह मात्रिक समछंद है। इसके प्रत्येक चरण में **16-16** मात्राएँ होती हैं। अंत में प्रायः जगण-तगण नहीं होते। 2

3. SET–A के अनुसार 6

4. SET–A के अनुसार 6

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही उत्तर के लिए **एक** अंक : $1 \times 5 = 5$

(क) गिरिजाकुमार माथुर

(ख) बच्चा

(ग) मधुर चाँदनी रातों की

(घ) झोपड़ी

(ङ) मुख्य गायक के साथ गायन करने वाला या कोई वाद्य बजाने वाला कलाकार, सहयोगी।

6. प्रत्येक सही विकल्प का ***एक*** अंक है : $1 \times 3 = 3$

(क) (iii) अज्ञात

(ख) (iii) गोपियों ने

(ग) (ii) कटि में

7. (i) पद, सूरदास।

(ii) स्वयं स्पष्ट है।

(iii) विरह में जल उठती हैं।

(iv) रक्षा के लिए पुकारना।

(v) श्रीकृष्ण के अमर्यादित व्यवहार (प्रेम में धोखे) के कारण

$1 \times 5 = 5$

8. पूर्णिमा की चाँदनी रात की उज्ज्वलता का मनोहरी चित्रण। कवित्त छंद। अनुप्रास तथा उपमा अलंकार। माधुर्य गुण। $2 + 2 = 4$

9. कवि की जीवन एक सामान्य व्यक्ति के जीवन की कथा है। उनके जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं, जिसे लोग महान कहकर वाह-वाह करें। 3

अथवा

'उत्साह' एक आह्वान गीत है, जो बादल को संबोधित है। बादल पीड़ित-प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने, नयी कल्पना और नए अंकुर के लिए विध्वंस, विप्लव और क्रांति चेतना को संभव करने वाला है। 3

खण्ड - ग

10. (क) भदंत आनंद कौसल्यायन $1 \times 5 = 5$

(ख) कैप्टन चश्में वाला

(ग) एक

(घ) व्यवसाय

(ङ) सुनीता

11. (क) (iv) सतृष्ण $1 \times 3 = 3$

(ख) (iv) दक्षिण

(ग) (i) लेनिन

12. (i) 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खण्डन' (आ० महावीर प्रसाद द्विवेदी) $1 \times 4 = 4$

(ii) रोक, मनाही

(iii) उनकी उन्नति में बाधा डालने के कारण

(iv) जानकारी, ज्ञान

13. किसी ***एक*** साहित्यकार का परिचय अपेक्षित है : 6

रामवृक्ष बेनीपुरी : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बेनीपुर गाँव में 1899 में जन्म। स्वाधीनता आंदोलन से जुड़ना। सन् 1968 में निधन। 'पतितों के देश में' (उपन्यास), 'चिता के फूल' कहानी, 'अंबपाली' (नाटक), 'माटी की मूरतें', (रेखाचित्र), 'पैरों में पंख बाँधकर' (यात्रा वृतांत), 'जंजीरें और दीवारें' (संस्मरण)। स्वाधीनता की चेतना। मनुष्य की चिंता और इतिहास की युगानुरूप व्याख्या। विशिष्ट शैली।

अथवा

यतीन्द्र मिश्र : जन्म 1977 में अयोध्या में। लखनऊ वि० वि० से एम० ए०। स्वतंत्र लेखन एंव सम्पादन। अनेक सम्मान।

'यदा-कदा', 'अयोध्या' तथा अन्य कविताएँ, ड्योढ़ी पर आलाप।

सरल, सहज, व्यावहारिक भाषा-शैली। उर्दू-फारसी के शब्दों का भरपूर प्रयोग। तत्सम तथा उद्‌भव शब्द।

14. रसोई को वे भटियारखाना कहते थे। यह शब्द भट्ठी से बना है। उनके अनुसार बच्चों को रसोई में रखना उनकी प्रतिभा और क्षमता को भट्ठी में झोंकना है। 2

खण्ड - घ

15. (क) छोटे-छोटे हाथों को जोड़कर अच्छाइयों को प्रार्थना द्वारा माँगा गया। 2

(ख) पिता जी इन्हें नहला-धुलाकर पूजा में बिठा लेते। भभूत का तिलक लगाते। डाँटकर एवं झुंझलाकर-तिलक कर देते। लम्बी जटाएँ। 'बम-भोला बन जाते'। पिताजी इन्हें भोलानाथ कहने लग जाते। 2

(ग) अंग्रेजी राज्य में जॉर्ज पंचम का अभिमान, मान-सम्मान, दबदबा था। पर स्वतंत्र भारत में सब सुख-सुविधाओं के बावजूद नयी दिल्ली में जॉर्ज की नाक (मान-सम्मान) नहीं थी। 2

(घ) भीतर की विवशता से मुक्त होने के लिए, स्वयं को तटस्थ होकर उसे देखने और पहचानने के लिए। 2

(ङ) कहानी की नायिका। गायिका। उपेक्षित। प्रेमी हृदय। टुन्नू के प्रति प्रेम। सच्ची देशभक्ति। नियमित व्यायाम। भावुक। 2

SET – C

खण्ड - क

1. (क) नारी, मैं 1 + 1 = 2

(ख) ऐरा, औती 1 + 1 = 2

(ग) पथ से भ्रष्ट (अपादान तत्पुरुष), प्रत्येक वर्ष (अव्ययीभाव)।

1 + 1 = 2

(घ) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ङ) विनीत, रक्षक। 1 + 1 = 2

(च) स्वयं स्पष्ट है। 2

(छ) स्वयं स्पष्ट है। 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) **SET–A** के अनुसार । 2

3. **SET–A** के अनुसार । 6

4. **SET–A** के अनुसार । 6

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही उत्तर के लिए **एक** अंक : $1 \times 5 = 5$

(क) ऋतुराज

(ख) धीर, शांत, जो घबराया न हो।

(ग) भविष्य का।

(घ) कान्ह-कान्ह

(ङ) श्रीकृष्ण

6. प्रत्येक सही विकल्प का ***एक*** अंक है : $1 \times 3 = 3$

(क) (iv) ऊँची गम्भीर आवाज

(ख) (ii) रूपांतर

(ग) (iv) गुदड़ी

7. (i) नागार्जुन (यह दंतुरित मुसकान)। $1 \times 5 = 5$

(ii) स्वयं स्पष्ट है।

(iii) दुखी व्यक्ति के मन में भी उल्लास पैदा करना।

(iv) नन्हें बच्चे के लिए।

(v) बच्चे की हँसी से पत्थर, जैसे कठोर हृदय वाले व्यक्ति भी स्नेहमय हो उठते हैं।

8. कवि अपने जीवन को विशेष एवं महान नहीं मानता। अतः आत्मकथा नहीं लिखना चाहता। वह मौन होना ही श्रेयस्कर समझता है। खड़ी बोली। अमिधा शब्द शक्ति। प्रसाद गुण, अनुप्रास, मानवीकरण। तत्सम शब्दावली युक्त भाषा। लयात्मकता, कोमलकांत पदावली। $2 + 2 = 4$

9. ***कन्यादान :*** स्त्री जीवन के प्रति गहरी संवेदनशीलता की अभिव्यक्ति। परम्परागत आदर्श रूप से हटकर माँ अपनी बेटी को सीख दे रही है। माँ के संचित अनुभवों की पीड़ा की अभिव्यक्ति। 3

अथवा

गुलाब का मानवीकरण। प्रातः गुलाब चट् की आवाज (चटकारी) देकर मानो वसन्त रूपी बालक को जगाता है। कलियाँ खिलती हैं तो चट् की आवाज करती हैं। 3

खण्ड - ग

10. (क) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) साठ से ऊपर

(ग) भारत जाने की

(घ) शेखर : एक जीवनी

(ङ) शंकराचार्य के $1 \times 5 = 5$

11. (क) (iii) पतनशील सामंती वर्ग पर $1 \times 3 = 3$

(ख) (iii) नरकट से

(ग) (ii) कैप्टन की मृत्यु

12. (i) यशपाल (लखनवी अंदाज) $1 \times 4 = 4$

(ii) रईस बनने का नाटक रचने वाले नवाब साहब केवल खीरा खाने की कल्पना से मुख में पानी आ जाने तक सीमित रह गए थे।

(iii) नवाब साहब के जबड़े हिल रहे थे। आँखें खीरे की फाँकों पर लगी थीं। इससे स्पष्ट था कि खीरे को ही नवाबों की सभ्यता के अंदाज से खाने का ढोंग कर रहे थे।

(iv) यशपाल (लेखक) एवं उनके साथ यात्रा करने वाले सज्जन नवाब साहब को कनखियों से देख रहे थे।

13. **SET–A** के अनुसार 6

14. सदा पान चबाना। इसी कारण उच्चारण ठीक नहीं। बार-बार पीक थूँकना। बड़ी-बड़ी दाढ़ी। घड़े जैसी तोंद, हँसने पर हिलती। रसिक। स्वार्थी। बातूनी। व्यंग्य भरी बातें। (किन्हीं ***दो*** का उल्लेख) 2

खण्ड - घ

15. (क) प्राकृतिक सौंदर्य का रस। 2

(ख) बिल में पानी भरने से साँप निकलना। रोते-चिल्लाते भोलानाथ और उसके साथी भाग चले। कोई औंधा गिरा, कोई

अंटाचिट। किसी का सिर फूटा, किसी के दाँत टूटे। देह लहुलुहान। पैरों के तलवे काँटों से छलनी हो गए। 2

(ग) बम्बई, गुजरात, बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल, पंजाब, दिल्ली। 2

(घ) **Set–A** के अनुरूप। 2

(ङ) लेखन-कार्य की प्रक्रिया एवं कारणों पर प्रकाश डालना। बाहरी दबाव एवं आन्तरिक अनुभूति भी लेखन का कारण। हिरोशिमा की घटना का उदाहरण। 2

SET – D

खण्ड - क

1. (क) खाना, पशु। 1 + 1 = 2

(ख) ऐया, उक। 1 + 1 = 2

(ग) आधा है जो पका (कर्मधारय), छोटा और बड़ा (द्वन्द्व) 1 + 1 = 2

(घ) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ङ) आसक्ति, निवृत्ति। 1 + 1 = 2

(च) स्वयं स्पष्ट है। 2

(छ) स्वयं स्पष्ट है। 2

2. (क) स्वयं स्पष्ट है। 2

(ख) **SET–B** के अनुसार 2

3. **SET–A** के अनुसार 6

4. **SET–A** के अनुसार 6

खण्ड - ख

5. प्रत्येक सही उत्तर के लिए **एक** अंक : $1 \times 5 = 5$

(क) मंगलेश डबराल

(ख) गोपियों ने उद्धव को

(ग) चाँदनी

(घ) शाब्दिक भ्रमों की तरह स्त्री जीवन के बंधन

(ङ) माथे पर

6. प्रत्येक सही विकल्प का ***एक*** अंक है : $1 \times 3 = 3$

(क) (iv) शेफालिका

(ख) (iii) लोहे से बना हुआ

(ग) (ii) मधुप

7. (i) उत्साह (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला)

(ii) स्वयं स्पष्ट है।

(iii) गरजकर वर्षा करे तथा शीतलता प्रदान करें। मानव को सुख देने के लिए।

(iv) गर्मी

(v) दुखों से पीड़ित संसार के लोग $1 \times 5 = 5$

8. श्री कृष्ण के वियोग में गोपियों का विलाप। अनुप्रास एवं पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार। गेयता। ब्रजभाषा। कोमलकांत पदावली। तद्भव शब्द। $2 + 2 = 4$

9. एकमात्र सहारा होने, सबसे निकट एवं सुख-दुख की साथी होने के कारण माँ को अपनी बेटी एकमात्र पूँजी महसूस होती है। 3

अथवा

SET–A के अनुरूप। 3

खण्ड - ग

10. (क) यशपाल

(ख) जिस दिन उसका बेटा मरा

(ग) हिन्दी को राष्ट्र भाषा के रूप में देखना चाहते थे।

(घ) मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में।

(ङ) मंडनमिश्र की सहधर्मचारिणी ने $1 \times 5 = 5$

11. (क) (ii) अटेंशन $1 \times 3 = 3$

(ख) (iii) अविभाज्य

(ग) (iv) दक्षिण

12. (i) बालगोबिन भगत (रामवृक्ष बेनीपुरी) $1 \times 4 = 4$

(ii) वर्षा ऋतु

(iii) धान की पौध लगाना रोपनी कहलाता है।

(iv) बाल गोबिन भगत के कंठ से स्वरात्मक तरंग झंकार के समान फूटी।

13. **SET–B** के अनुरूप 6

14. उस पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया है तो वास्तविकता से बेखबर एवं बनावटी जीवन-शैली का आदी है। परजीवी संस्कृति का भण्डाफोड़ किया है। 2

खण्ड - घ

15. (क) गाँधी जी, सरदार बल्लभ भाई पटेल, सरदार विट्ठल भाई पटेल, महादेव देसाई। 2

(ख) पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम राज्य की राजधानी गंटोक और उसके आगे के हिमालय का अनंत एवं अद्भुत सौंदर्य। वहाँ के लोगों की मेहनत, अभाव और गरीबी। पीड़ा और सौंदर्य का अद्भुत मेल। 2

(ग) **SET–B** के अनुसार। 2

(घ) भादो में तीज के अवसर पर खोजवाँ बाजार में कजली-दंगल में दुलारी का टुन्नू से परिचय हुआ। दोनों प्रतिद्वन्द्वी गायक थे। 2

(ङ) **SET–B** के अनुसार। 2